पाठ्यक्रम सामग्री की अधिकता (Overcrowding of Materials.)

पाठ्यक्रम को आधुनिक रूप देने के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की वैज्ञानिक प्रायोगिकी को भी वैज्ञानिक सूचना के लिए पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है। इससे विज्ञान के उद्देश्यों की

पूर्ति बहुत पीछे रह जाती है। बालक विज्ञान के मुख्य विषय वस्तु को समझने के स्थान पर पाठ्य-वस्तु को रटने में रह जाते हैं। पाठ्यक्रम वैज्ञानिक दृष्टिकोण के स्थान पर अंक आधारित ज्ञान बन के रह जाता है। पाठ्य-सामग्री की अधिकता विज्ञान विषय अधिगम को जटिल बना देती है। छात्र विषय में रूचि लेने के स्थान पर उसे बोझ समझने लगता है। विषय वस्तु की अधिकता छात्र को विज्ञान-विषय के उद्देश्य पूर्ति में सहायक नहीं है।

पाठ्यक्रम छात्रों की रूचि तथा आवश्यकताओं के अनुकूल नहीं है (Syllabus is not in tune with the varying ~~and~~ needs and interests of students)

प्रत्येक व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से शारीरिक संरचना के साथ-साथ रूचि, व्यवहार, बुद्धि, कौशल, दृष्टि-कोण, अभिवृद्धि आदि में एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। सामान्य तौर पर कुछ छात्र तीव्र बुद्धि के होते हैं कुछ मंद बुद्धि के तथा कुछ सामान्य बुद्धिवाले होते हैं, किन्तु पाठ्यक्रम छात्रों के बुद्धि स्तर को ध्यान में रखकर नहीं तैयार किया जाता है। पाठ्यक्रम सभी प्रकार के छात्रों के लिए एक समान तैयार किया जाता है। छात्रों के रूचि आवश्यकताओं का विशेष ध्यान नहीं रखा जाता है। दूसरी ओर रूचि के अनुकूल पाठ्य वस्तु न होने से छात्र उस ओर ध्यान नहीं देता है। आज जिस रूप में पाठ्य-क्रम की पूर्ति की जाती है वह छात्रों में रूचि उत्पन्न करने में सक्षम नहीं है।

Scanned with CamScanner